an>

title: Need to implement the recommendations of Akolkar committee to make Singrauli pollution free.

श्रीमती रीती पाठक (सीधी) : अध्यक्ष महोदया, धन्यवाद कि आपने मुझे इस शून्य काल के अवसर पर मेरे क्षेत्र की समस्या रखने का एक अवसर प्रदान किया। मेरे संसदीय क्षेत्र का एक विशेष भू-भाग सिंगरौली है। जहां प्रतिवर्ष ऊर्जा का उत्पादन 12,700 मैंगावाट है, कोयले का उत्पादन 83 मिलियन टन है और जहां पर एल्यूमिनियम, सीमेण्ट समेत कई भारी उद्योग स्थापित हैं। ये सारे बिन्दु मेरे संसदीय क्षेत्र के विकास के कारण तो हैं, परन्तु साथ ही मेरे संसदीय क्षेत्र में भारी प्रदूषण के कारक भी हैं। क्षेत्र में फैल रहे प्रदूषण से निजात पाने के लिए सन् 2010 में भारत सरकार ने वन एवं पर्यावरण मंत्रालय एवं भारी उद्योग मंत्रालय की संयुक्त अकोलकर समिति का गठन किया था, जिसने 09 व 10 फरवरी को प्रदूषण नियंत्रण के नये दिशा-निर्देश तैयार किये थे और 03.03.2010 को भारत सरकार को सौंपे थे।

अतः मेरा सदन के माध्यम से वन एवं पर्यावरण मंत्री जी से निवेदन है कि सिंगरौली को, जो निश्चित रूप से प्रदूषणयुक्त हो चुका है, प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए इस क्षेत्र में की गई सिफारिश को लागू करने की कृपा करें और समिति के द्वारा इस क्षेत्र में प्रभावी रूप से कार्य करने का निर्देश दें। धन्यवाद।